

सत्रांत परीक्षा (TEE), दिसंबर 2026 एवं जून 2027 हेतु असाइनमेंट

बी.ए. दर्शनशास्त्र (BAFPY Philosophy)

BPYM-161: दर्शनशास्त्र – एक परिचय (Philosophy: An Introduction)

निर्देश:

1. सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
2. सभी पाँच प्रश्न समान अंक के हैं।
3. प्रश्न संख्या 1 और 2 के उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।
4. यदि किसी प्रश्न के एक से अधिक भाग हैं, तो उसके सभी भागों के उत्तर दीजिए।

1. उपनिषद् क्या हैं? उपनिषदों में विवेचित *आत्मन्* और *ब्रह्मन्* की अवधारणाओं की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

दर्शनशास्त्र क्या है? उन मूलभूत प्रश्नों और मान्यताओं की विस्तारपूर्वक चर्चा कीजिए, जिनसे दर्शनशास्त्र का संबंध है।

2. दर्शनशास्त्र के क्षेत्र में अरस्तू के योगदान पर एक निबंध लिखिए। 20

अथवा

समकालीन पाश्चात्य दर्शन का मानव के प्रति विशिष्ट योगदान क्या है? 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए। $2 \times 10 = 20$

(क) प्लेटो के प्रत्यय-सिद्धांत (Theory of Ideas) का वर्णन कीजिए। 10

(ख) भारतीय दर्शन के अनुसार 'जीवन का परम लक्ष्य' (Quest of Life) क्या है? 10

(ग) सुकरात की नीतिशास्त्रीय विचारधारा (Socratic Ethics) पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

(घ) बौद्ध दर्शन में प्रतीत्यसमुत्पाद के सिद्धांत की व्याख्या कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए। $4 \times 5 = 20$

(क) भारतीय भौतिकवाद पर एक टिप्पणी लिखिए।	5
(ख) महावाक्य की उत्पत्ति एवं विकास की संक्षिप्त चर्चा कीजिए।	5
(ग) स्टोइक नीतिशास्त्र (Stoic Ethics) पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।	5
(घ) वैदिक दर्शनों में मोक्ष की अवधारणा की विवेचना कीजिए।	5
(ङ) मध्यकालीन पाश्चात्य दर्शन के प्रमुख विषयों पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।	5
(च) “समस्त वस्तुएँ संख्याएँ हैं।” इस कथन की व्याख्या कीजिए।	5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए। 5 × 4 = 20

(क) अरस्तू के चार कारण	4
(ख) वेदांग	4
(ग) विपरीतों का सिद्धान्त—हेराक्लाइटस (Union of Opposites)	4
(घ) लोगोस	4
(ङ) निष्काम कर्म	4
(च) कर्ममार्ग	4
(छ) गुफा का रूपक (Allegory of the Cave)	4
(ज) ज्ञानमीमांसा	4